JSK

Hindi - संवाद

Brajaraj Kumar
School No. 10500
VII Scholar Batch

पिता - तुम्हारी पढाई कैसी चल रही है
पुत्र - अच्छी चल रही है।
पिता - तुम्हारी परीक्षा नजदीक आ रही है तुम्हें अपनी पढाई पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए।
पुत्र - हाँ पिता जी अब मैंने अपना टाईम टेबल बना लिया है। अब मैं उसी के अनुसार पढाई करता हूँ।
पिता - यह तो बहुत अच्छी बात है। यदि तुम इसी तरह महनत करोगे तो अपने लक्ष्य को पा सकोगे।
पुत्र - हाँ पिता जी मुझे पुरी उम्मीद है कि मैं 96+ ले आऊंगा।
पिता - ये तो अच्छी बात है बेटा पर कोई दबाव नही है की तुम्हें इतने ही लाने हैं। तुम पुरी इमानदारी से महनत करो अपना 100% दो। बाकि % पर ध्यान मत दो।
पुत्र - हाँ ठिक है पिता जी। मुझे अगले साल विदेश जाकर पढाई करनी है तो महनत

तो करनी होगी।

पिता = मुझे बहुत खुशी है कि तुम अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित हो। मुझे पूरा विश्वास है की तुम अपना लक्ष्य प्राप्त करोगे।

पुत्र = लेकिन मुझे बोर्ड परीक्षा से थोड़ा डर लग रहा है।

पिता - इसमें डरने की कोई बात नहीं है लोगों ने तो बस बोर्ड परीक्षा को हौवा बना रखा है येभी साधारण परिक्षा की तरह ही होता है। जो बच्चे पढते नहीं है उन्हे डरना चाहिए उन्हें नही जो पूरी महनत करते हैं।

पुत्र - ठिक है पिता जी।

पिता - तुम अपनी पढाई करो। मै चलता हुँ।